केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 195 सोमवार 5 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

लोकसभा चुनाव से पूर्व बस्ती में हो सकती है एक और एएसपी की तैनाती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी लोकसभा चुनाव कराने के लिए इस बार शासन से एक और एएसपी की जिले में तैनाती की कवायद चल रही है। लोस चुनाव के ऐलान से पहले जिले में एडीएम व सीआरओ की तर्ज पर दो एएसपी रैंक के अफसर तैनात किए जा सकते हैं। पड़ोसी जिले अंबेडकरनगर व गोंडा में दो एएसपी की तैनाती शासन से पूरी हो चुकी है। मंडल मुख्यालय और जिले का बड़ा क्षेत्र होने के कारण शासन से इसकी पूर्व में मांग की गई थी।

चार पुलिस क्षेत्राधिकारी सर्किल व 17 थाने जिले में हैं। एक के बजाय दो अपर पुलिस अधीक्षकों की तैनाती से कानून व शांति व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। शासन की निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार दोनों एएसपी के कार्यक्षेत्रों का निर्धारण भी किया सकेगा। आने वाले लोकसभा चुनाव में पुलिस की चुनौती और बढ़ जाएगी। ऐसे में चुनाव से पूर्व यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। पुलिस कप्तान गोपालकृष्ण चौधरी ने भी जिले में दो एएसपी की तैनाती की संभावनाओं से इंकार नहीं किया है।

जिला प्रशासन में डीएम के ठीक नीचे सीडीओ, एडीएम और सीआरओ की तैनाती जिले में पहले से चली आ रही है। पुलिस प्रशासन में एसपी के नीचे सिर्फ एक ही एएसपी की लंबे समय से पोस्ट चल रही है। ऐसे में जोनल स्तर पर प्रशासनिक अफसरों के साथ पुलिस अधिकारियों की तैनाती में एएसपी रैंक के अफसर की कमी दिखती है। इनकी जगह पर सीओ को जोन वार तैनात करने से व्यवहारिक दिक्कत पुलिस उच्चाधिकारी लंबे से महसूस करते आ रहे हैं।

बहुरेंगे वशिष्ठ आश्रम के दिन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भगवान श्री राम से जुड़े बस्ती के बढ़नी स्थित वशिष्ठ आश्रम के चलते बढ़नी के विकास की संभावनाएं बढ़ती दिख रही है। यूपी सरकार के मुख्य सचिव के संभावित दौरे को लेकर बढ़नी का नजारा पल–पल बदलता दिख रहा है। डीएम, एसपी सहित आला अधिकारी बढ़नी वशिष्ठ आश्रम पहुंचे और विकास की खाका तैयार किया। डीएम ने मस्त्य पालन किए हुए पोखरे को देखा। साथ ही प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। डीएम अंद्रा वामसी ग्रामीणों से रूबरू हुए और उन्होंने दो टूक कहा कि अगर कोई भी समस्या हो तो वह तुरंत बताएं। मौके पर मौजूद जिम्मेदारों से कहा कि गांव में कैंप लगाकर जनता की समस्याओं को सुने और उसका तुरंत निस्तारण करें।

जनपद के कप्तानगंज विकासखंड क्षेत्र स्थित बढ़नी गांव में गुरु वशिष्ठ के आश्रम के जीर्णोद्धार का कार्य जोर शोर से चल रहा है। इसे पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित होना है। भगवान राम से जुड़े तीर्थ स्थल होने के चलते यहां विकास की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इसके विकास के लिए एक करोड़ 42 लाख शासन की ओर से स्वीकृत हो चुका है। गुरु वशिष्ठ आश्रम पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा के संभावित दौरे को लेकर प्रशासनिक अमले में हलचल मचा हुआ है। तीन दिनों से प्रशासनिक जिम्मेदार डेरा डालकर हर शिकायत का निश्चित निस्तारण करने में जुट गए हैं। इसके पूर्व सीडीओ बस्ती और एडीएम ने दौरा किया था। बढ़नी गांव में सुबह से ही बड़ी संख्या में सफाई कर्मी झाड़ियां को काटते और साफ करते दिखे। आंगनबाड़ी केंद्र में बेहतर व्यवस्था देख डीएम ने प्रसन्नता जाहिर की।

रूस के भारतीय दूतावास में कार्यरत सुरक्षा कर्मचारी मेरठ से गिरफ्तार

–पाकिस्तान के लिए जासूसी का आरोप

मेरठ (आभा)। रूस में भारतीय दूतावास में पदस्थापित सुरक्षा कर्मचारी को उत्तर प्रदेश के मेरठ से गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गिरफ्तार शख्स पर भारत की संवेदनशील सूचनाओं को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी–आईएसआई तक पहुंचाने के आरोप हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने कहा है कि विदेश मंत्रालय जांच एजेंसियों के साथ संपर्क में है।

भारत के मॉस्को दूतावास में पदस्थापित सतेंद्र सिवाल को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश की आतंक निरोधक शाखा (न्च ।ज्) ने मेरठ से गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सतेंद्र मॉस्को में भारतीय दूतावास में आईबीएसए (भारत–आधारित सुरक्षा सहायक) के रूप में तैनात थे। उन्हें भारत से जुड़ी श्गोपनीयश जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ शेयर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। रविवार को यूपी पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने इस संबंध में आधिकारिक बयान जारी किया। इसके अनुसार, आरोपी सतेंद्र उत्तर प्रदेश के हापुड जिले का निवासी है।

एटीएस ने कहा कि सतेंद्र सिवाल पर 'भारत विरोधी गतिविधियों' में कथित तौर पर संलिप्त होने के आरोप हैं। एटीएस ने गिरफ्तारी के कारणों पर कहा, उन्हें जानकारी मिली है कि सिवाल ने पैसे के बदले में आईएसआई को महत्वपूर्ण और गोपनीय जानकारी भेजी। इन सूचनाओं में विशेष रूप से रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठान की रणनीतिक गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज शामिल हैं।

यूपी एटीएस के मुताबिक सतेंद्र विदेश मंत्रालय में कार्यरत थे। 2021 से मॉस्को स्थित रूस में भारतीय दूतावास में आईबीएसए (भारत–आधारित सुरक्षा सहायक) के रूप में तैनात सतेंद्र के मामले में विदेश मंत्रालय ने कहा, सरकार यूपी एटीएस की कार्रवाई के बारे में जानती है। विदेश मंत्रालय से सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने रविवार को बताया कि विदेश मंत्रालय इस मामले में जांच अधिकारियों के साथ काम करना जारी रखेगा।

युवा उद्यमियों को व्याज मुक्त ऋण देगी सरकार- योगी

संवाददाता। गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार युवा उद्यमियों को ब्याजमुक्त ऋण देगी। इसकी जल्द ही घोषणा की जाएगी। इस ऋण से युवा उद्यमियों को खुद रोजगार तो मिलेगा ही, स्टार्टअप के जरिये वे दूसरे युवाओं को भी रोजगार दे सकेंगे। सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया है। इसके अलावा प्रदेश में 150 विश्वस्तरीय आईटीआई बनाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री रविवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में वृहद रोजगार मेला एवं नवचयनित अभ्यर्थियों के

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 20 अभ्यर्थियों को अपने हाथों से नियुक्तिपत्र दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही इजराइल मॉडल लागू किया जाएगा। युवाओं को रोजगार के साथ उनके रहने और खाने की व्यवस्था भी संस्थानों में ही की जाएगी।

छोटे दलों से हाथ मिलाकर बड़ा खेल करने के लिये सक्रिय हुई बसपा

लखनऊ (आभा)। जब पूरे देश में एनडीए के विरोध में ज्यादातर विपक्षी दल एकजुट होकर गठबंधन बना रहे हैं तो बसपा सुप्रीमो मायावती अपनी एक अलग ही चाल चल रही हैं। बहुजन समाज पार्टी ने अपनी सियासी रणनीतियों को धार देते हुए एक बार फिर से छोटे–छोटे दलों से हाथ मिलाकर बड़ा खेल करने की तैयारी शुरू कर दी है। बहुजन समाज पार्टी से ताल्लुक रखने वाले नेताओं की माने तो मायावती इस लोकसभा चुनाव में उन छोटे–छोटे दलों से हाथ मिलाने की राह तैयार कर चुकी है जिनको विपक्षी दलों के गठबंधन समूह ने अपने साथ नहीं जोड़ा है। इसी कड़ी में मायावती जल्द ही हरियाणा में इनेलो के साथ अपना गठबंधन करने वाली है। जबकि कई अन्य राज्यों में भी सियासी बिसात बिछाई जा चुकी है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अभी तक किसी भी बड़े गठबंधन के साथ जाने से इनकार किया है। ऐसे में सियासी गलियारों में बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या मायावती छोटे–छोटे दलों के साथ गठबंधन कर कोई बड़ा खेल करने वाली हैं। सूत्रों के मुताबिक मायावती हरियाणा में इनेलो के साथ

गठबंधन करने जा रही हैं। बहुजन समाज पार्टी के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि इस बार यह गठबंधन मजबूती के साथ लोकसभा चुनाव में उतरेगा। दरअसल 2019 के लोकसभा चुनाव में भी मायावती ने इनेलो से गठबंधन किया था, लेकिन आपसी तकरार के चलते चुनाव से पहले ही ये गठबंधन टूट गया। दोनों दलों के नेताओं ने इस बार गठबंधन की नींव को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने की योजना बनाई है। सूत्रों की माने तो बहुजन समाज पार्टी ने हरियाणा में 6 सीटों और इनेलो को चार सीटों पर लड़ने का ऑफर तैयार किया है।

इसी तरह पंजाब में भी मायावती की बहुजन समाज पार्टी और अकाली दल का गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए तय माना जा रहा है। आधिकारिक तौर पर लोकसभा चुनाव के लिए बसपा और अकाली दल की ओर से कोई बयान नहीं आया है। सूत्रों की मानें तो बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती के साथ सुखबीर बादल की दिल्ली में जनवरी के आखिरी सप्ताह में मुलाकात हो चुकी है। माना जा रहा है कि दोनों सियासी दल लोकसभा चुनाव में एक साथ आ सकते हैं। सूत्रों की माने तो बसपा और अकाली दल की नजदीकी इस वजह से और मजबूत हो रही है क्योंकि बसपा विपक्षी राजनैतिक दलों के गठबंधन समूह प्छक्प्। में शामिल नहीं हो रही है।

सियासी जानकारों की माने तो मायावती अभी तक उत्तर प्रदेश में किसी भी दल के साथ गठबंधन में नहीं जा रही हैं। इसलिए यहां के सियासी समीकरण भी बदले हुए हैं। राजनीतिक जानकार ओपी मिश्रा बताते हैं कि 2019 के चुनावों में मायावती ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर जो बढ़त हासिल की उसी को आधार मानकर पार्टी आगे की रणनीति बना चुकी है। 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में मायावती का सूपड़ा साफ हो गया था। लेकिन उसके अगले चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर बहुजन समाज पार्टी शून्य से 10 सीटों पर पहुंच गई। हालांकि बाद में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन टूट गया और 2022 के विधानसभा चुनावों में बहुजन समाज पार्टी का एक बार फिर से सबसे लचर प्रदर्शन साबित हुआ। बहुजन समाज पार्टी का वोट प्रतिशत लोकसभा चुनाव में कम नहीं हुआ है। यही वजह है कि मायावती ने किसी भी दल से समझौता न करके खुद अकेले सियासी मैदान में उतरी है।

बस्ती में कागजों में चल रहा है ई-कचरा प्रबन्धन, जहरीली गैसों वाला अदृश्य हत्यारा मानव जीवन के लिये बना खतरा

–इंदिरा चैरिटेबल की सेक्रेटरी ज्योति ने दिया विधिक कार्यवाही की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी की सेक्रेटरी ज्योति पाण्डेय ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है कि बस्ती में ई–कचरा निस्तारण के लिए संयंत्र लाइसेंस जारी होने के दो साल बाद भी कचरे के निपटान के लिए संयंत्र नहीं लगाया गया और ना ही कचरा इकट्ठा कराके उसका संग्रह किया गया। यदि शीघ्र इस मामले में प्रभावी कार्यवाही न की गई तो वे जनहित के सवाल को लेकर विधिक कार्यवाही की पहल करेंगी। इसके लिये एनजीओ की लीगल टीम केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से संपर्क स्थापित कर रही है। लोक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालने और एनवायरमेंटल प्रोटेक्शन एक्ट 1986 के अनुसार शीघ्र अनुज्ञापी पर विधिक कार्यवाही का आग्रह किया जायेगा।

सोसाइटी की सेक्रेटरी ज्योति पाण्डेय ने बताया कि जिले में ई–कचरा निस्तारण के लिए संयंत्र लाइसेंस जारी होने के दो साल बाद

ज्योति पाण्डेय

भी कचरे के निपटान के लिए संयंत्र नहीं लगाया गया और ना ही कचरा इकट्ठा कराके उसका संग्रह किया गया। भानपुर तहसील के नौवागांव में मेसर्स एलएसई वेस्ट रिसाइक्लिंग यूनिट के प्रोपराइटर शाहिद हुसैन को शासन द्वारा लाइसेंस जारी किया गया है इस यूनिट की क्षमता 2 टन प्रतिदिन है। अगर इस यूनिट ने काम शुरू किया होता तो अब तक जिले के अंदर से 1,46,000 कुंतल ई– कचरे का निस्तारण हो चुका होता। लेकिन ना ऐसा यूनिट के संचालक द्वारा किया गया और ना ही इस यूनिट पर निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों ने रुचि दिखाई जिसका परिणाम यह है की जिले में रहने वाले नागरिकों को इन ई– कचरों से निकलने वाले जहरीली गैसों वाला अदृश्य हत्यारा अपने जद में धीरे–धीरे ले रहा है। बताया कि इन गैसों में कैडमियम,आर्सेनिक, लेड, की मात्रा खून में ज्यादा होने से मरीजों के पेशाब में खून आने की समस्या से प्रोटेस्ट कैंसर को जन्म दे रहे हैं इस बात की पुष्टि अमेरिका के जनरल आफ यूरोलॉजी ऑकोलॉजी करती है यह बात प्रासंगिक होती है।

अखिल भारतीय स्तर पर काम करने वाली जिले के एनजीओ इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी ने जिले में ई–कचरा प्रबंधन को लेकर के शासन व मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था पर्यावरण मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार के दिए गए विधानसभा में बयान के आधार पर ने एनजीओ नें पाया कि निर्धारित स्थान पर यूनिट है ही नहीं और इसका पता विभाग तक को भी नहीं है। ऐसे में मानव स्वास्थ्य को लेकर किए गए घोर लापरवाही और लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने के लिए उन्हें उनके मौलिक अधिकारों से वंचित करने के लिए ई–अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम 2022 की अनुसूची– 5 के तहत इसके जिम्मेदार अनुज्ञापी के विरुद्ध संस्था निंदा प्रस्ताव पास कर मुकदमा दर्ज कराते हुए कानूनी कार्यवाही करेगी।

बारिश से बदला मौसम का मिजाज

लखनऊ (आभा)। यूपी में एक बार फिर मौसम बिगड़ गया है। मौसम विभाग ने यूपी के 52 जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। बारिश के साथ कहीं–कहीं ओले गिरने के भी आसार जताए जा रहे हैं। बस्ती, सीतापुर, हरदोई समेत कई जिलों में रविवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए हैं। सुबह से

ही यहां रुक–रुक कर बारिश हो रही है। बारिश के चलते इन इलाकों में सर्दी और बढ़ गई है। मौसम विभाग ने 30–40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने ओर वज्रपात की भी चेतावनी जारी की है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र से जारी बुलेटिन के अनुसार पूर्वी, पश्चिमी व बुन्देखंड अंचलों के ज्यादातर हिस्सों में बारिश होने या गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

चित्रांश क्लब महिला विंग पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण सम्पन्न:रचनात्मक कार्यों को आगे बढाने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को चित्रांश क्लब के महिला विंग पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण और कार्यकारिणी का वितार प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुआ। राजकीय कन्या इण्टर कालेज की प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम सिंह ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये कहा कि आधी दुनियां की समाज निर्माण में बड़ी भूमिका है। क्लब की पदाधिकारी सृजन के कई आयाम विकसित कर सकती है।

श्रीमती नीलम सिंह ने क्लब की महिला विंग में प्रतिमा श्रीवास्तव को अध्यक्ष, अर्चना श्रीवास्तव को जिला संयोजिका, सविता श्रीवास्तव महामंत्री, संज्ञा श्रीवास्तव, संजू श्रीवास्तव, को उपाध्यक्ष, सुलोचना पाण्डेय को मंत्री, निधि श्रीवास्तव को संगठन मंत्री तथा लक्ष्मी अरोरा को कोषाध्यक्ष, सुमन श्रीवास्तव को सूचना मंत्री पद की शपथ दिलाया। इसके अतिरिक्त किरन पाण्डेय, उर्मिला पाठक, ममता, प्रतिभा श्रीवास्तव को कार्यकारिणी में स्थान मिला है। प्रतिमा को संरक्षिका

का दायित्व सौंपा गया है।

शपथ ग्रहण के बाद चित्रांश क्लब महिला विग अध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव ने कहा कि उन्हें जो दायित्व मिला है पूरा प्रयास होगा कि क्लब की परम्परा के अनुरूप सामाजिक कार्यों को और विस्तार दिया जाय।

शपथ ग्रहण अवसर पर क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त, अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, डा. कृष्ण कुमार, जी. रहमान के साथ ही रेखा चित्रगुप्त, संध्या दीक्षित, शीला पाठक, दिनेश श्रीवास्तव 'मास्टर', राजेश श्रीवास्तव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, संतोष सिंह, राहुल श्रीवास्तव, मुनव्वर हुसेन, राजन गुप्ता, हरविन्दर पाल सिंह, शशि गुप्ता, अशोक श्रीवास्तव, सिमरन, डा. रोली सिंह, संगीता यादव, शालिनी मिश्र, पैकोलिया थानाध्यक्ष संध्या रानी तिवारी, मयंक श्रीवास्तव आशीष श्रीवास्तव, अपूर्व शुक्ल,रमेश, अवनीश सिंह, रमा शर्मा, विमल अरोरा, सुलोचना पाण्डेय, संध्या पाण्डेय, रेनू माथुर, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू' मुजीब अंसारी, रणदीप माथुर, अवनीश सिंह, अरविन्द चौधरी के साथ ही चित्रांश क्लब और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस की कार्यशाला में उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस पार्टी के द्वारा विकास क्षेत्रों में कार्यशाला/संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में साऊंघाट ब्लाक के बेवतहरा गांव में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा कि सरकार हर तरीके से जनता का शोषण कर रही है। रोजगार मांग रहे युवा लाठियों से पीटे जा रहे हैं। ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरूपयोग कर विपक्ष के नेताओं की छबि बेवजह खराब की जा रही है।

बेराजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार व तरह तरह की अनहोनी से परेशानी जनता को न्याय मिला भी मुश्किल हो गया है। संविधान पर भी खतरा मड़रा है, ऐसे में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अहमियत समझी जा सकती है। उन्होने खाद की बोरियों का वजन घटाने पर सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा जहां से भी जनता का शोषण

किया जा सकता है और पूंजीपतियों को फायदा पहुचांया जा सकता है वहा मोदी सरकार से कोई चूक नही हो रही है। 2024 का लोकसभा चुनाव यह तय करेगा कि देश में तानाशाही रहेगी या लोकतंत्र।

डुमरियागंज लोकसभा के कोआर्डिनेटर देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा जनता नही जागी तो आगामी लोकसभा चुनाव आखिरी हो सकता है। धीरे धीरे लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है। देश में राजनीति की दो धुरी बन चुकी है। एक का मुखिया समस्याओं से मुंह चुराता है, झूठे वादे करता है और बात बात में गारण्टी लेकर इस शब्द की गरिमा घटा रहा है और दूसरा देश की हर छोटी बड़ी समस्या पर खुलकर बात करने को तैयार है, जनता से सीधा संवाद कर रहा है और डटकर खड़ा है कि इस देश का लोकतंत्र नही खत्म होने देंगे चाहे जो कुरबानी देनी पड़े। कार्यक्रम में शौकत अली नन्हू, रामसुभावन, हारून, जमाल, रामजतन, अलीम अख्तर, गुड्डू सोनकर, फिरोज अहमद तथा सीव त्रिपाठी समेत क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

विधायक अजय सिंह ने छात्रों में किया स्मार्टफोन, टैबलेट का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इंद्रासन सिंह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय महाविद्यालय पचवस के सभागार में रविवार को स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरैया विधायक अजय सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पुष्पार्चन और दीप प्रज्जवलन करके किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संदीप कुमार और स्टाफ के द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण व बुके देकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय के 66 छात्र छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक अजय सिंह ने कहा कि अब बच्चों की शिक्षा तकनीकी ज्ञान पर आधारित हो गई है। तकनीकी ज्ञान से शिक्षा ग्रहण करने में लोगों को मदद मिलती है। नवाचार के युग में तकनीकी ज्ञान बेहद जरूरी है। केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार युवाओं एवं छात्र–छात्राओं को शिक्षित करने को लेकर सभी प्रकार के

उपक्रम कर रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास का पहिया बहुत तेजी से घूम रहा है। सरकार का सपना स्मार्टफोन से छात्रों को तकनीकी ज्ञान कराने व सुगम पढ़ाई कराने का है। इसी को लेकर छात्रों को स्मार्टफोन का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र ही देश के भविष्य हैं इनमें से ही आगे चलकर बड़े पदों पर आसीन होकर देश की सेवा करेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संदीप कुमार ने कहा कि सरकार ने छात्र–छात्राओं को डिजिटल युग से जोड़ने की पहल बेहद सराहनीय है।

इस अवसर पर अरविन्द सिंह, मटेलू सिंह, संजय सिंह, अनिल प्रताप सिंह, कांग्रेस सिंह, अभिजीत सिंह, भरत सिंह, निर्मल सिंह, रामपाल यादव, विवेक यादव, अजीत विश्वकर्मा, प्रिंस शुक्ला, डॉ हरेंद्र विश्वकर्मा, डॉ विशाल श्रीवास्तव, डॉ विजय कुमार, अरुण पाण्डेय, प्रगति पाण्डेय, रंजीत कुमार, महिप कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और छात्राएं मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 फरवरी 2024 सोमवार

सम्पादकीय

मौसम और आपदा

बहुत समय नहीं हुआ जब मानसून में भारी वर्षा व भूस्खलन के चलते हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों में जन–धन की व्यापक क्षति हुई थी। ढहती मंजिलें और दरकते पहाड़ पूरे देश को भयाक्रांत कर रहे थे। कहीं न कहीं संवेदनशील हिमालयी पहाड़ आबादी के बोझ और अनियोजित निर्माण का दबाव सहन नहीं कर पा रहे हैं। हिमाचल जैसी स्थितियों से उत्तराखंड के कई शहर भी जूझ रहे हैं। जोशीमठ का धंसना इस कड़ी का विस्तार ही है। मानसून के दौरान हिमाचल की राजधानी व अन्य शहरों में अतिवृष्टि से हुई व्यापक क्षति के बाबत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का आकलन इस दिशा में व्यापक अवलोकन की जरूरत बताता है। ताकि नियमित निगरानी के साथ मानकों के पालन को सुनिश्चित किया जा सके। प्राधिकरण की रिपोर्ट पिछले मानसून में हुई व्यापक क्षति के कारणों और ऐसी स्थिति से बचने के उपायों पर प्रकाश डालती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि राज्य सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निष्कर्षों और सिफारिशों पर गंभीरता पूर्वक विचार करे। निश्चित रूप से इन घटनाओं से सबक लेने और चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज न करने की जरूरत है। साथ ही जरूरी है कि जनमानस के अवचेतन में उन विनाशकारी घटनाओं के कारणों से बचने की चेतना विद्यमान रहे। निश्चित रूप से तेजी से होता शहरीकरण पहाड़ी राज्यों की बड़ी चुनौती है। भूमि का गलत उपयोग और ग्रामीण इलाकों में भवन निर्माण मानदंडों की अनदेखी घरों की सुरक्षा के लिये गंभीर चुनौती पैदा कर रही है। दरअसल, संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिकी में अनियोजित विकास पर्यावरणीय संकट के साथ ढांचागत चुनौतियां भी पैदा कर रहा है। कहीं शासन–प्रशासन की नियमित निगरानी के अभाव में भवन निर्माण के सुरक्षित मानकों की अनदेखी की जा रही है। जिसके चलते आपदा के जोखिमों में वृद्धि ही हुई है। स्थानीय निकायों के स्तर पर जिस जिम्मेदार व्यवहार का पालन किया जाना चाहिए, वह भी नदारद है। राजनीतिक हस्तक्षेप व निहित स्वार्थों के चलते भवन निर्माण से जुड़े कानून ताक पर रख दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हालिया अध्ययन में बार–बार कहा गया है कि नियमों के कड़ाई से पालन और निर्माण कार्यों के नियमित ऑडिट का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। निस्संदेह, पर्यावरण व भवन निर्माण से जुड़े विशेषज्ञ बार–बार इन्हीं मुद्दों की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। लेकिन सत्ताधीश इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आते। दरअसल, शहरों की योजना सीमा के बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ी ढलानों पर अनधिकृत संरचनाएं और निर्माण मानदंडों की अनदेखी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जन–धन की सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती पैदा करती है। वास्तव में, पहाड़ी इलाकों में भवन निर्माण से जुड़े नियमों–उपनियमों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है। साथ ही प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियों को अवरुद्ध करने वाले कारकों पर रोक लगाने की सख्त जरूरत है। जो अतिवृष्टि की दशा में जानलेवा संकट पैदा कर देते हैं। जरूरत इस बात की भी है कि पहाड़ों की प्रकृति के अनुरूप भवन निर्माण शैली को प्रोत्साहन दिया जाए। खासकर भवन निर्माण की उस परंपरागत शैली को, जिसमें लकड़ी और मिट्टी का उपयोग होता रहा है, जो दीवारों में लचीलापन पैदा करती है। निस्संदेह, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शहरीकरण और पर्यटन की पहाड़ी राज्यों की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन कहीं न कहीं ये सब नीतिगत बदलावों के मार्ग में बाधक भी बनते हैं। बहरहाल, इस दिशा में चाहे कितनी बाधाएं हों, हिमाचल प्रदेश यथास्थिति के विकल्प को नहीं चुन सकता। पहाड़ी परिवेश की संवेदनशीलता के मद्देनजर जन–धन की हानि को टालने के लिये इस दिशा में नियमति निगरानी अपरिहार्य ही है। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के मद्देनजर बारिश के ट्रेंड में आए बदलाव से इसकी तीव्रता बढ़ी है। कम समय में ज्यादा मूसलाधार बारिश का रुझान भी देखा गया है, जो भूस्खलन की पुनरावृत्ति को बढ़ाता है। इससे उपजे संकट को टालने के लिये जहां शासन–प्रशासन से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद की जाती है, वहीं नागरिकों के स्तर पर भी जागरूकता की जरूरत है।

भारतीय राजनीति में लाल कृष्ण आडवाणी

–तरुण विजय–

लाल कृष्ण अडवाणी को भारत रत्न मिलना वास्तव में सम्मान का ही सम्मान है, दो से शिखर तक ले जाने वाले भाजपा के राम भक्त सेनानी नेता अडवाणी ने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को स्थापित किया जब उसके बारे में कहा जाता था की यह तो एके हंगल जैसे साइड करैक्टर की तरह हो सकती है मुख्य धारा में तो कांग्रेस और सेकुलर दल रहेंगे। अडवाणी उस समय देश के सार्वजनिक संवाद की दिशा और धारा बदलने में सफल हुए जब हिन्दुओं पर हमला बोलना, उनकी आस्था की आलोचना करना ही सेक्युलर वाद समझा जाता था। किसी ने उनसे पहले छद्म सेक्युलर वाद की चर्चा प्रारम्भ करने का साहस नहीं दिखाया था। उन्होंने विश्वास पैदा किया कि हिंदुत्व पर आधारित राजनीतिक दल देश में सबके साथ समन्वा कर सकती है– जब उनके नाम के लिए प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी स्वाभाविक मानी जाती थी उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अटल जी को प्रधानमंत्री पद हेतु घोषित कर सबको अचंभित कर दिया था।

उनके जीवन की सबसे बड़ी यात्रा सोमनाथ से अयोध्या की यात्रा रही जिसमें मैं उनके साथ रथ में श्री नरेंद्र मोदी जीके साथ बराबर बना रहा। जहाँ उनकी रथ यात्रा के पहुँचने का समय रात्रि नौ बजे होता था, मार्ग में अत्यधिक उत्साह और भीड़ के कारण इतनी देरी होती थी कि हम रात्रि 1–2 बजे पहुँच पाते थे, फिर भी हजारों लोग उनको सुनने के लिए टिके रहते थे। उनकी रथ की पूजा होती थी, उनके टोयोटा रथ के टायरों की पूजा होती थी, उनको हिन्दू पुनर्जागरण का अग्रदूत माना जाता था।

अडवाणी जी सहृदय और सदैव कार्यकर्ताओं के स्नेही रहे। जब जब नरेंद्र भाई मोदी के लिए संगठन में संकट आया उन्होंने अटलजी से आग्रहपूर्वक उनका साथ दिया.. नरेंद्र भाई ने भी अडवाणी जी के प्रति अपना आदर भाव सदैव बनाये रखा।

उन के साथ लम्बे समय तक अंतरंग कार्य करते हुए उनके शालीन, शांत, कभी न उग्र होने वाले स्वाभा से मैं सुपरिचित हूँ। उन्होंने सिंधु दर्शन कार्यक्रम के लिए पूरा सहयोग और आशीर्वाद दिया जिससे लड़का: की रक्षा हो सकी और वहां के आर्थिक विकास के लिए असाधारण सहा यता मिली।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक हैं। उन्होंने भारत रत्न की स्वीकारोक्ति का जो वक्तव्य दिया है उसमें परम पूज्य श्री गुरुजी के उस वाक्य का उद्धरण दिया है जिसमें इदं न मम इदं राष्ट्राय स्वाहा कह कर सब कुछ राष्ट्रार्पित करने की बात कही गयी थी। पंडित दीन दयाल उपाध्याय के प्रति उनकी अनन्य भक्ति इतनी है कि उनको एकात्म मानववाद का व्याख्याता भी कहा गया। आर्गेनाइजर साप्ताहिक में फिल्म समीक्षक तथा जब उसके संपादक श्री के आर मलकानी अमरीका यात्रा पर गए तो उसका कार्यभार सँभालने वाले अडवाणी जी की फिल्मों में रूचि जगत प्रसिद्ध है। हर अच्छी फिल्म का उनके द्वारा अक्सर दिल्ली के महादेव रोड फिल्म समागार में प्रदर्शन होता ही था। उनके साथ मुझे कई फिल्में देखने का अवसर मिला। जब वे देहरादून आये तो मेरी माताजी से मिलने हमारे एक अत्यंत तंग गली के, मकान में आये थे तो पूरे नगर में आश्चर्य हुआ सुरक्षा कर्मी बेहद परेशान भी हुए। उसी रात्रि हम सब देहरादून के एक थियटर में फिल्म देखने गए।

अडवाणी जी शाकाहारी हैं, नियम के पक्के, बहुत सीमित और काम खाने वाले। उनको चोकोलेट पसंद है और नवीन पुस्तकों का उनके पास भंडार रहता है। उनके ब्लॉग बहुत लोकप्रिय रहे और उनकी आत्मकथा ने रेकार्ड तोड़ बिक्री की थी। उनके साथ मेरा पहला साक्षात्कार 1979 में पाञ्चजन्य के लिए किया था– और अनेकानेक साक्षात्कारों का संग्रह दिल्ली की प्रकाशक किताबघर ने छापा है। वे बहुत भावुक हैं और जरा सी भावनाप्रधान बात पर उनकी आंखे नम हो जाती हैं। उन्होंने कंभी अपने बच्चों को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया। उनकी बेटी प्रतिभा में उनके प्राण हैं और उनकी सहधर्मिणी आदरणीय कमला जी अडवाणी जी को अपना 'राम' मानती थीं।

अडवाणी जी दीर्घायु हों और सच्चे भारत रत्न की भांति सबको राष्ट्रीयता की प्रेरणा देते रहे यही शुभ कामना है।पूर्व सांसद, पूर्व संपादक पाञ्चजन्य

भ्रष्टता निवारण और लोकतंत्र

–ललित गर्ग–

झारखंड राज्य में जमीन खरीद में गड़बड़ी, अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग के कथित पुराने मामलों की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से झारखंड की सरकार संकट में आ गयी और उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बड़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े भारत लोकतंत्र के आदर्श एवं सशक्त होने की बड़ी अपेक्षा है। आजादी के अमृत काल में राजनीति का शुद्धिकरण एवं अपराध मुक्ति ही भारत को सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बना सकेगा। हेमंत सोरेन के बाद अब अगला नम्बर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का है। स्पष्ट है कि अब भ्रष्टाचारियों की नैया पार होने वाली नहीं है। अगर ये लोग सोचते हैं कि ताकतवर होने के कारण कानून उन तक नहीं पहुंच सकता, तो ये मुगालते में हैं। अगर उन्होंने भ्रष्टाचार किया है, तो उन्हें अपने किए की सजा मिलेगी ही। भ्रष्ट आचरण से करोड़ों–अरबों की संपत्ति लूटने वाले नेतागण शायद नहीं जानते कि केंद्र में ऐसी मजबूत सरकार है, जो भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करती। इसीलिए तो जांच एजेंसियों को पूरी छूट मिली हुई है कि वे भ्रष्ट आचरण करने वालों को पकड़ें। दबाव मुक्त केन्द्रीय एजेंसियां अपने काम में जुटी भी हुई हैं, उनकी टांग खिंचने की बजाय उनका हौसला बढ़ाना चाहिए।

इनदिनों गैरभाजपा प्रांतों में भ्रष्टाचार के मामले बड़ी संख्या में उजागर हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल आम आदमी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सतेन्द्र जैन, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एवं पश्चिम बंगाल में उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी जेल की सलाखों के पीछे हैं, इनकी गिरफ्तारी बता रही है कि ममता बनर्जी एवं अरविन्द केजरीवाल भ्रष्टाचार मुक्त शासन के कितने ही दावे क्यों न करें, लेकिन उनके वरिष्ठ मंत्री भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों एवं विभिन्न प्रांतों की सरकारों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीति का पतन कर रही है। इसकी शुचिता और पारदर्शिता को धूमिल कर रही है। पहले राजनीति का अर्थ लोगों की सेवा करना होता था, लेकिन बाद में यह अपने लोगों की सेवा का माध्यम समझी जाने लगी। बिहार, बंगाल, दिल्ली और झारखंड जैसे राज्य तो इसमें सबसे ऊपर दिखते हैं। झारखंड में ही अभी जो घटनाक्रम हुआ है, क्या उससे यह धारणा नहीं बनती कि हेमंत सोरेन ने जरूर कुछ ऐसे कार्य किए हैं कि पहले उन्हें ईडी से भागना पड़ा और जब उन पर दबिश बढ़ी, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर ईडी अधिकारियों के हाथों गिरफ्तार होना पड़ा।

बिहार का हाल भी झारखण्ड से अलग नहीं है। वहां पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का भ्रष्टाचार लगातार खबरों में रहा है, वे भी सजा भुगत चुके हैं। उनके पुत्र तेजस्वी यादव व अन्य परिजन पर भी जमीन घोटाले के आरोप हैं। कहा जाता है कि जब ईडी ने तेजस्वी यादव से सवाल पूछे, तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने घोटाले के वक्त खुद के नाबालिग होने की बात कही। जब ईडी अधिकारियों ने पूछा कि करोड़ों की कंपनी कैसे बनाई, तो उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी न होने की बात कही। जबकि लालू यादव के पास इतनी संपत्ति कैसे जमा हुई, यह कोई छिपा रहस्य नहीं है। इसलिए यह कयास भी गलत नहीं है कि देर–सबेर तेजस्वी यादव भी अपने पिता की तरह जेल में दिख सकते हैं। कुछ इसी तरह की कहानी देश के अन्य राज्यों में भी है, जहां मुख्यमंत्री और बड़े नेता ईडी के निशाने पर हैं, इसलिए मुमकिन है कि आने वाले दिनों में हम और भी कई नेताओं को कालकोठरी में देख सकते हैं।

बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा राष्ट्रीय जनता दल, की ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसकी खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भ्भी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बुगल बजाय हुए हैं तो यह आजादी के अमृत महोत्सव मनाने की सार्थक पहल है, जिसके माध्यम से वे भारत के विलक्षण और ऐतिहासिक प्रधानमंत्री माने जाएंगे। राजनीतिज्ञों की साख गिरेगी, तो राजनीति की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। हमारे पास राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टचार के बाद तीसरा नंबर इस कीचड़ उछाल राजनीति का भी है, जिसमें गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही राजनीति के ओजार नहीं है, इसलिए राजनीति को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ लड़ाई के लिए काफी वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, लेकिन कीचड़ उछाल से परहेज करके और सार्थक बहस चलाकर देश की राजनीति का सुधार आंदोलन शुरू किया जा सकता है। राजनैतिक कर्म में अपना जीवन लगाने वालों से इतनी उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि भ्रष्टाचार के खिलाफ होने वाली कार्रवाइयों को राजनीतिक रंग न दे। ऐसी ही उम्मीदभरी एवं स्वच्छ राजनीति से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा।

राजनीतिज्ञों की साख गिरेगी, तो राजनीति की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। हमारे पास राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टचार के बाद तीसरा नंबर इस कीचड़ उछाल राजनीति का भी है, जिसमें गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही राजनीति के ओजार नहीं है, इसलिए राजनीति को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ लड़ाई के लिए काफी वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, लेकिन कीचड़ उछाल से परहेज करके और सार्थक बहस चलाकर देश की राजनीति का सुधार आंदोलन शुरू किया जा सकता है।

बिहार का सियासी खेल

–उमेश चतुर्वेदी–

भारतीय गांवों का एक खेल है, दोल्हा–पाती। इसमें खिलाड़ी अपने को बचाने के लिए लगातार एक डाल से दूसरी डाल पर फांदते–कूदते रहते हैं। इस तरह वे खुद को खेल के नियम के अनुसार बचाने की कोशिश करते रहते हैं। वैसे तो यह खेल भारत के तकरीबन हर इलाके के गांवों में प्रचलित है। लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में यह खेल कुछ ज्यादा ही प्रचलित रहा है। शायद यही वजह है कि बिहार की नौवीं बार कमान संभाल चुके नीतीश कुमार को लेकर दोल्हा–पाती के खिलाड़ी जैसी अवधारणा बन गई है। करीब एक दशक में जिस तरह चार बार नीतीश कुमार ने गठबंधन बदला, अपने साथी बदले, वह कूद–फांद का ही रूप है।

दिलचस्प है कि नैतिकता और मर्यादा की सबसे ज्यादा दुहाई राजनीति देती है, लेकिन नैतिकताओं और मर्यादाओं का भंजन सबसे ज्यादा राजनीति ही करती है। नीतीश, राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय जनता पार्टी, कम से कम बिहार के संदर्भ में तीनों ही इसी प्रवृत्ति के उदाहरण बनकर सामने आए हैं। 2013 में जब भारतीय जनता पार्टी ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषित किया था, नीतीश कुमार ने उन्हें सांप्रदायिक करार देते हुए उस आठ साल से जिस पार्टी के साथ सत्ता चला रहे थे, उस भाजपा का दामन छोड़ दिया था। इसके पहले भी वे नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी सोच को जाहिर कर चुके थे। साल 2008 में जब कोसी नदी ने समंदर का रूप धर लिया था, तब गुजरात से बिहार पहुंची राहत की खेप को नीतीश ने बैरंग वापस करा दिया था। क्योंकि उस वक्त उनकी नजर में सांप्रदायिक नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे।

2013 में नीतीश कुमार ने उस लालू का दामन थाम लिया, जिनके विरोध में उन्होंने 1994 में जनता दल छोड़कर जार्ज फर्नांडिस की अगुआई में समता पार्टी बनाई थी। भाजपा के साथ 1996 में समता पार्टी ने जो गठबंधन किया, उसका नतीजा ही रहा कि 2005 के बिहार विधानसभा चुनावों में नीतीश की अगुआई में लालू यादव की लगभग अजेय समझी जाने वाली सत्ता को उखाड़ फेंका गया। तब नीतीश ने नया इतिहास रचा, लेकिन इसमें सहयोग बीजेपी का भी रहा। नीतीश–भाजपा की सरकार ने 2006–2010 के दौरान बिहार की कार्यशैली बदली, कानून–व्यवस्था को बेहतर किया और कई कीर्तिमान रचे। इसका असर यह हुआ कि 2010 के विधानसभा चुनावों में लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल की चुनावी इतिहास की सबसे बड़ी पराजय हुई। ऐसा माना जाने लगा कि लालू यादव की पार्टी अब खत्म हो जाएगी। लेकिन नीतीश कुमार ने 2013 में पलटी मारी और इसके बाद 2015 में हुए विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल को जैसे जीवनदान मिल गया। लेकिन नीतीश को लालू का यह साथ ज्यादा दिन रास नहीं आया। हालांकि इस बीच बिहार के जीन को लेकर नीतीश कुमार ने ऐसा अभियान चलाया कि बोरे में भरकर बिहार के लोग अपने बाल नरेंद्र मोदी के पते पर भेजते रहे। तब बिहारी लोगों का बाल उनकी शुद्ध बिहारी जीन का प्रतीक था।

लालू बेशक नीतीश के सहयोगी बने, लेकिन वे 1994 की दगाबाजी नहीं भूले। धीरे–धीरे शासन में लालू परिवार का दबदबा बढ़ा तो नीतीश ने 2017 में फिर बीजेपी का साथ ले लिया। इसका उन्हें 2019 के आम चुनावों में फायदा भी हुआ। उनके 16 सांसद चुने गए। बीजेपी को अपनी पुराने 22 सांसदों में से कुछ के टिकट काट कर उनकी सीट जनता दल यू को देनी पड़ी। इसी गठबंधन ने 2020 का विधानसभा चुनाव भी लड़ा। इस चुनाव में लोकजनशक्ति–रामविलास गुट के नेता चिराग ने सिर्फ जनता दल यू की सीटों पर ही अपने उम्मीदवार उतारे और 2005 के बाद पहली बार नीतीश की पार्टी को सबसे कम यानी 5 सीटें मिलीं। नीतीश ने इसे बीजेपी का खेल माना और 10 अगस्त 2022 को बीजेपी का साथ छोड़ उस आरजेडी का दामन थाम लिया, जिसके नेता तेजस्वी यादव ने उन्हें पलटू चाचा की उपाधि दी थी। बिहार में 28 जनवरी 2024 को नीतीश ने फिर पाला बदल लिया और उनके लिए सारे दरवाजे बंद करने का बार–बार दावा करने वाली बीजेपी ने बदले हालात में उनके लिए दरवाजे खोल दिए। नीतीश भी अपना वह बयान भूल गए कि मर जाएंगे, लेकिन बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। इसके बाद नीतीश कुमार की छवि पलटू बाबा के रूप में स्थायी हो गई।

राजनीति दरअसल समूचा शीर्ष नेतृत्व का खेल है। दिलचस्प यह है कि शीर्ष नेतृत्व सारे कदम अपने कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भावनाओं के नाम पर उठाती है। जब भी कोई गठबंधन टूटता है तो घटक दलों के नेता और कार्यकर्ता पुराने साथी को दुश्मन मानकर उसके खिलाफ दुश्मनी की हद तक हमलावर हो जाते हैं।

अयोध्या में शंकराचार्य बुलाते तो हम जाते, गोंडा लोकसभा सीट हम जीतने जा रहे है -नसीमुद्दीन सिद्दीकी

संवाददाता—गोण्डा। कांग्रेस नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी कई कार्यक्रमों में शामिल होने गोंडा पहुंचे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा गठबंधन में सीटों का बंटवारा तथा लोकसभा चुनाव 2024 और गोंडा लोकसभा सीट को लेकर बड़ा दावा किया।

कांग्रेस नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी एक वैचाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गोंडा पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा। सरकार भी बनाएगा। हम गोंडा लोकसभा सीट जीतने जा रहे हैं। अभी किसी को समझ में नहीं आएगा। लेकिन समय आने पर जान लेंगे। कांग्रेस के अयोध्या कार्यक्रम में न शामिल होने के सवाल पर कहा कि शंकराचार्य बुलाते तो हम जाते। सवाल खड़ा किया कि जहां कांग्रेस बुलाएगी। क्या बीजेपी वहां जाएगी।

वैचाहिक समारोह में शामिल होने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी गोंडा पहुंचे। उन्होंने गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि सपा और कांग्रेस के जिम्मेदारों के बीच कई राउंड की बैठक हो चुकी है। अभी कोई फाइनल डिसीजन नहीं हुआ है। जब उनसे पूछा गया कि सीटों का तय होना शुरू हो गया है। तो उन्होंने कहा कि अभी हमारी तरफ से कोई भी सीट तय नहीं की गई है। वह सीट किसने अलाउंस की है। कैसे किया है। यह सवाल उनसे बनता है। जब उनसे कहा गया कि अखिलेश यादव ने कहां है कि इंडिया गठबंधन मजबूत है। सीट ही बंटवारे का आधार होगा। जो जीतने लायक होगा उसे टिकट दिया जाएगा। इस पर उन्होंने कहा कि वह भी जिताऊ प्रत्याशी देख रहे हैं। हम भी जिताऊ प्रत्याशी देख रहे हैं। उन्होंने ठीक कहा है। कांग्रेस नेता ने सवाल खड़ा किया कि क्या नोटिफिकेशन जारी हो गया है। हमारे गठबंधन के अलावा सभी दलों ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि तमाम क्षेत्रीय पार्टियों बन गई है। उन्होंने भी अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं किया है। अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा। हमारी बातचीत चल रही है। हम समाजवादी पार्टी से सामंजस्य बैठकर सीटों का बंटवारा कर लेंगे। कहां की सपा और कांग्रेस मिलकर बीजेपी का डटकर मुकाबला करेंगी। इस बार गठबंधन सरकार बनाएगी। जब उनसे कहीं गया कि नीतीश कुमार चले गए। ममता बनर्जी कह रही है कि पश्चिम बंगाल में हम अकेले चुनाव लड़ेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि अभी तमाम आया राम गया राम होगा। अभी आपने गया राम देखा है। जल्दबाजी मत करिए। आया राम भी देख लीजिए। कहा कि अभी कुछ भी हो सकता है। मैं नीतीश की बात नहीं कर रहा हूं। मैं इंडिया गठबंधन की बात कर रहा हूं। कुछ भी हो सकता है।

आडवाणी को भारत रत्न देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सैया भये कोतवाल अब डर काहे का, या फिर इसे दूसरे शब्दों में कह दे, कि अंधरा बाटे रेवड़ी जिसको चाहे उसको दे दें। अभी तक उनको किनारे लगाए हुए थे। उन्होंने कहा कि आडवाणी जी होने वाले प्रधानमंत्री थे। दूसरे भैया आ गए। अब चाहे वह जोशी जी को दे दे। या फिर आडवाणी जी को दे दे। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर को वोट की राजनीति में दिया गया। 10 साल पहले क्यों नहीं दे दिया। कहा कि यह बीजेपी का असफल प्रयास है। अटल जी थे तब नहीं दिया 10 साल से मोदी जी हैं। तब नहीं दिया जब चुनाव दो महीने रह गए तब दिया गया। कांग्रेस दबी जुबान से कहती है कि ताला हमने खुलवाया है। और जब प्राण प्रतिष्ठा की बारी आई तब आप बुलाने पर गए नहीं। इस पर नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने सवाल खड़ा किया क्या जहां पर कांग्रेस बुलाएगी। वहां पर बीजेपी जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं धार्मिक बात पर आना नहीं चाहता हूं। अगर शंकराचार्य बुलाते तो कांग्रेस जाती। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि सबसे बड़े शंकराचार्य मोदी जी हो गए हैं। कार्यक्रम में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, तरुण पटेल सहित कांग्रेस के तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

उधार न देने पर मनबढ़ों ने दुकानदार व उनके परिजनों को पीटा

संवाददाता—बलरामपुर। उधार सामान न देने पर मनबढ़ों ने दुकानदार, उसकी पत्नी, तीन बेटों व पुत्री को बुरी तरह पीटा। घटना से नाराज व्यापारियों ने थाने का घेराव कर एक कांस्टेबल के विरुद्ध नारेबाजी की। मनबढ़ों के गिरफ्तारी की मांग पर व्यापारी घंटों अड़े रहे। हमले में घायल व्यापारी को सीएचसी शिवपुरा से संयुक्त जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। घटना शनिवार शाम स्थानीय कस्बा में हुई है। पुलिस ने आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया है। व्यापारियों ने कहा है कि 48 घंटे के भीतर अभियुक्तों की गिरफ्तारी न होने पर वे दुकानें बंद कर धरना शुरू कर देंगे।

स्थानीय कस्बा निवासी 54 वर्षीय ओम प्रकाश बाजार में किराना की दुकान चलाते हैं। नीचे दुकान व उनका उनका परिवार रहता है। विजय ने बताया कि शनिवार शाम चार बजे वह अपने पिता ओम प्रकाश के साथ दुकान पर बैठे थे। गुगौली खुर्द निवासी रंजन तिवारी अपने भाई राहुल तिवारी के साथ सामान खरीदने आए। वे सामान उधार मांग रहे थे, जबकि ओम प्रकाश ने मना कर दिया। दोनों पक्षों के बीच कहा सुनी हुई। रंजन तिवारी ने थाने में तहरीर दे दिया। विजय के मुताबिक हल्का सिपाही संजय गुप्ता ने दोनों पक्षों को थाने में बुलाया। विजय अपने भाई शुभम व राज कुमार के साथ थाने पहुंचे। आरोप है कि सिपाही संजय गुप्ता ने रंजन व राहुल से मामूली पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया। विजय व उनके दो भाइयों को थाने में बैठाए रखा गया। रंजन व राहुल ने अपने दोस्त निरंजन, कनकन, डाक्टर व आशुतोष के साथ ओम प्रकाश पर हमला बोल दिया। उन्हें लाठी डंडों से पीटने लगे तो बचाव में आए पुत्र 27 वर्षीय पप्पू, पुत्र 20 वर्षीय साधना व पत्नी 50 वर्षीय मालती को भी बुरी तरह पीटा। सभी लोग लहू लुहान होकर दुकान में गिर गए। इसी बीच थाने से छूटने पर विजय, शुभम व राजकुमार भी अपनी दुकान पर पहुंचे। तब तक हमलावर ओम प्रकाश व उनके परिजनों को पीट रहे थे। बचाव करने पर विजय, शुभम व राजकुमार को भी लाठी डंडों से पीटा गया। हमलावरों ने दुकान में तोड़फोड़ की। घटना को अंजान देने के बाद हमलावर धमकाते हुए फरार हो गए। ओम प्रकाश को गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शिवपुरा भेज दिया गया।

ओम प्रकाश व उनके परिजनों के पिटाई की खबर कस्बे में फैल गई। घटना को लेकर व्यापारी आक्रोशित हो गए। अधिकांश लोगों ने अपनी दुकानें बंद कर दी। उद्योग व्यापार मंडल हरैया के अध्यक्ष बाबादीन जायसवाल, महामंत्री अलीम खां, संतोष तिवारी, अशोक गुप्ता, कैलाश, दिनेश व राजेश समेत लगभग 200 व्यापारी ओम प्रकाश के घर पहुंच गए। पूरी घटना जानने के बाद व्यापारियों का गुस्सा और भड़क गया। वे पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए थाने की ओर चल पड़े। व्यापारियों का कहना था कि रंजन व राहुल काफी दबंग हैं। इस तरह की घटना को वे पहले भी अंजाम दे चुके हैं। व्यापारी भयवश अपनी समस्याएं पुलिस से भी साझा नहीं कर पाते। कांस्टेबल संजय गुप्ता पर भी व्यापारी काफी आक्रोशित थे। व्यापारियों का आरोप है कि मारपीट की घटना में संजय गुप्ता ने रंजन व राहुल को प्रश्रय दिया है। विजय आदि को थाने में बैठाए रखा गया, जबकि रंजन व राहुल को छोड़ दिया गया, जिस कारण बड़ी घटना हुई।

थाने पहुंचकर व्यापारियों ने हंगामा किया। व्यापारियों का कहना था कि जिन लोगों ने घटना को अंजाम दिया है, उनकी गिरफ्तारी तत्काल होनी चाहिए। गिरफ्तारी होने तक सभी व्यापारी थाने पर ही रुके रहेंगे। प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने व्यापारियों को काफी देर तक समझाया। लेकिन उनकी बात किसी ने नहीं सुनी। दबाव में आई पुलिस ने रंजन के घर छापा मारा, लेकिन वह नहीं मिला। कांस्टेबल संजय गुप्ता के निलंबन की मांग भी व्यापारियों ने की है। कहा कि वे पुलिस अधीक्षक से मिलकर मामले की जानकारी देंगे। व्यापारियों का कहना था कि पूरा मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद है।

भाविप ने जुर्माना जमा कर जेल में निरुद्ध बंदी को छुड़ाया

संवाददाता—बहराइच। जिला कारागार में अर्थदंड की राशि जमा न कर पाने के चलते जेल की सजा काट रहे कैदी को भारत विकास परिषद के सदस्यों ने छुड़वाया। वह चोरी के आरोप में 21 जुलाई को जेल बंद हुआ था। दिसंबर में ही उसकी सजा पूरी हो चुकी थी, लेकिन जुर्माना जमा न होने की वजह से बाहर नहीं आया था। कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र के पवना गांव निवासी मोहम्मद शमीर पुत्र मोहम्मद खलील पर चोरी का केस दर्ज था। जिस पर पुलिस ने 21 जुलाई 2023 को जिला कारागार में बंद करवाया था। चोरी के मामले में बंद कैदी को छह माह की सजा हुई थी। जेल अधीक्षक राजेश यादव ने बताया कि नौ दिसंबर को मोहम्मद शमीर की सजा पूरी हो गई थी, लेकिन जुर्माना की राशि जमा नहीं कर पाने के चलते वह जेल की सजा काट रहा था। प्रान्तीय उपाध्यक्ष बैजनाथ रस्तोगी व उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता और कोषाध्यक्ष दिलीप अग्रवाल ने जिला कारागार में जेलर से मिलकर उस कैदी की रिहाई में कार्यवाही पूरी करवाकर कैदी को आजाद करवाया।

घर के सामने खड़ी ट्राली चोरी

संवाददाता—श्रावस्ती। घर के सामने खड़ी ट्राली को चोर चुरा ले गए। मल्हीपुर क्षेत्र के पुलिस चौकी जमुनहा क्षेत्र स्थित बनगई गांव निवासी गुरुदीन वर्मा पुत्र राम हरक वर्मा ने अपनी ट्राली गांव निवासी बरसाती के घर के सामने खड़ी कर रखी थी। गुरुदीन का कहना है कि उसकी ट्राली वहीं पर हमेशा खड़ी रहती थी। शनिवार रात ट्राली चोरी हो गई। सुबह जब वह मौके पर गया तो ट्राली गायब थी। इस पर पीड़ित ने आस पास क्षेत्र में ट्राली की खोज की लेकिन वह नहीं मिली। पीड़ित ने जमुनहा चौकी प्रभारी को तहरीर देकर ट्राली बरामद कराए जाने की मांग की है।

गायत्री महायज्ञ के लिए निकाली गई कलश यात्रा

संवाददाता—श्रावस्ती। 24 कुंडीय राष्ट्र जागरण अभियान के तहत भिनगा स्थित गायत्री शक्ति पीठ में गायत्री महायज्ञ संगीत प्रवचन का आयोजन किया गया है। जो चार से सात फरवरी तक चलेगा। चार दिनों तक लोग संगीतमयी प्रवचन का रसास्वादन करेंगे। गायत्री महायज्ञ के पहले दिन भिनगा नगर में सतगुरु ज्ञान गंगा सत ग्रंथ शोभायात्रा व कलश यात्रा निकाली गयी। जिसका शुभारंभ वर्मा मंदिर के पीठाधीश बौद्ध भिक्षु यूवो वाथा ने किया। उन्होंने झंडी दिखाकर शक्ति पीठ परिसर से कलश यात्रा को रवाना किया। यात्रा के दौरान लोगों ने उद्घोष किया कि होता है विश्व का कल्याण युग से, जल्दी प्रसन्न होते है भगवान यज्ञ से। बौद्ध भिक्षु यूवो वाथा ने कहा कि यज्ञ सनातन धर्म का मूल है। स्वर्ग, सुख, बंधन मुक्ति, मन शुद्धि, आत्म बल की वृद्धि तथा रोति सिद्धियों के दाता यज्ञ भगवान ही हैं। यज्ञ में बुद्धि को शुद्ध करने की अपार शक्ति है। जिला समन्वयक दधिबल सिंह ने बताया कि सोमवार को ध्यान साधना व प्रज्ञा योग कार्यकर्ता गोष्ठी संगीत व प्रवचन होगा, मंगलवार को ध्यान साधना व प्रज्ञा योग गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार, संगीत प्रवचन व दीप महायज्ञ किया जाएगा। अंतिम दिवस बुधवार को ध्यान साधना व प्रज्ञा योग गायत्री महायज्ञ व विभिन्न संस्कार तथा बंदिनी माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में संकल्प का आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा के दौरान प्रवीण कुमार बौद्ध, केशव राम पाठक, राम अचल दास, धनीराम वर्मा, राधेश्याम कसौधन, राम धीरज मिश्र, पंकज देव गुप्त, कमल सिंह, डा. उमाशंकर यादव, सत्यवर्धन गोयल, ओम प्रकाश आदि लोग मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में युवक की मौत

संवाददाता—गोण्डा। रात परगाह बेलई पुरे अमदही निवासी युवक की मौत दुर्घटना के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होने की वजह से हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया जा रहा है कि भोला सिंह उम्र 42 वर्ष पुत्र मिद्धू सिंह की धनईगंज बंधे के चौराहे से वापस अपने घर आ रहे थे। चौराहे पर हुई दुर्घटना में गंभीर तरह से घायल हो गए। जानकारी मिलने पर परिजनों ने आनन—फानन जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना किस वजह से हुई यह अभी पता नहीं चल पा रहा है। कुछ लोग किसी वाहन की चपेट में आ जाने के बात बता रहे हैं।

हर्षोल्लास के साथ मना मानस केसरी अवधकिशोर दास का 92 वां जन्मोत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। बचपन से ही तेजस्वी प्रतिभा के धनी मानस केसरी सम्मान से सम्मानित, माता जानकी को अपनी छोटी बहन मानने वाले 14 अप्रैल 2012 को श्री राम नगरी में प्रतिष्ठित सिद्ध पीठ श्री रामहर्षण आदि मैथिल सख्यपीठ, मीरापुर के संस्थापक आचार्य अवधकिशोर दास महाराज 92वां जन्मोत्सव श्री रामहर्षण आदि मैथिल सख्यपीठ वर्तमान पीठाधीश्वर महंत कमलेश्वर दास के संयोजन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही आचार्य अवध किशोर दास जी महाराज के चित्र का पूजन अर्चन किया गया उनको भोग लगाया गया और उसके उपरांत प्रसाद भक्तों में वितरण किया गया श्री महाराज जी द्वारा रचित पदों का गायन भी हुआ और इसी के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ। महंत कमलेश्वर दास जी महाराज ने बताया कि श्री महाराज जी बचपन से ही राम हर्षण सरकार में अनुराग रखते थे और माता जानकी जी को अपनी छोटी बहन मानते थे और श्री महाराज जी ने मैथिल माधुरी जैसी दर्जनों पुस्तकों की रचना की और राम हर्षण सरकार को समर्पित करते रहते थे।उन्होंने बताया कि श्री महाराज जी 90 वर्ष की आयु में शरीर को पूरा किए और उनका 92वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री महाराज जी को भोग लगाया गया और संतो श्रद्धालुओं भक्त गणों में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में साधु संत भक्ति मंदिर में उपस्थित रहे।

सिद्ध पीठ रसमोदकुंज में मनाया गया जगतगुरु रामानंदाचार्य की जयंती महोत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

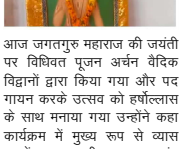

अयोध्या। राम नगरी के सिद्ध पीठ रसमोदकुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण महाराज के सानिध्य में जगद्गुरु रामानंदाचार्य महाराज की 724 जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। श्री महाराज जी ने बताया कि रामानंदाचार्य जी महाराज ने हिंदू सनातन धर्म को संगठित और व्यवस्थित करने के अथक प्रयास किए। उन्होंने वैष्णव सम्प्रदाय को पुनर्गठित किया तथा वैष्णव साधुओं को उनका आत्मसम्मान दिलाया। रामानंद वैष्णव भक्तिधारा के महान संत हैं। सोचें जिनके शिष्य संत कबीर और रविदास जैसे संत रहे हों तो वे कितने महान रहे होंगे। श्री महाराज जी ने बताया कि जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज ने कहा कि जाति पाती पूछे नहीं कोई हरिका बजे सो हरि का होई। यही कारण है कि जो भी लोग वैष्णो रामानंद संप्रदाय में संत बनते हैं उनकी जाति समाप्त हो जाती है और वह वैष्णो हो जाते हैं। श्री महाराज जी ने बताया कि आज जगतगुरु महाराज की जयंती पर विधिवत पूजन अर्चन वैदिक विद्वानों द्वारा किया गया और पद गायन करके उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया उन्होंने कहा कार्यक्रम में मुख्य रूप से व्यास राघवेंद्र , लाल जी शरण, राम चंद्र श्रृंगारी, जय राम दास, रामानन्द शरण,राजेंद्र पाण्डेय, पंडित शेष नारायण, राम चरन दास, राम स्वरूप शरण, युगल शरण, अन्य भक्त जन उपस्थित रहे।

पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य की हुई जांच

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पुलिस लाइन में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं मुहैया कराई गई। इस मौके पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई।

रेडक्रॉस सोसाइटी व भगौती प्रसाद मिश्रा ममोरियल सेवा अस्पताल इकौना की ओर से रविवार को पुलिस लाइन समागार में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने फीता काटकर किया। एसपी ने शिविर में उपस्थित पुलिस कर्मचारियों, उनके परिजनों सहित अन्य लोगो को अच्छे स्वास्थ्य के लिए संयमित खान– पान व नियमित योग करने की सलाह दी। साथ ही नियमित दौड़ लगाने व नशे से दूर रहने को कहा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। शिविर में निरीक्षक, उपनिरीक्षक व आरक्षियों समेत कुल 72 पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर जरूरत अनुसार दवाएं दी गई। मगौती प्रसाद मिश्रा ममोरियल मिश्रा सेवा अस्पताल की वरिष्ठ महिला व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. वंदना मिश्रा ने महिलाओं से संबंधित रोग व बचाव की जानकारी दी। फिजीसियन डा. रमेश कुमार मिश्र ने बीपी, सुगर, गैस, एसीडिटी, अनिंद्रा आदि बीमारियों से बचने की जानकारी दी। महिला रोग विशेषज्ञ डा. शालिनी जायवाल ने मासिक धर्म के दौरान होने वाली परेशानी व बरती जाने वाली सावधानी के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव, रेडक्रास सचिव अरुण कुमार मिश्रा, सीओ अतुल कुमार चौबे, सीओ सतीश कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

स्कूल परिसर में डीजे पर थिरकीं नर्तकियां, महिला हेडमास्टर निलंबित

संवाददाता—महराजगंज। नगर पंचायत चौक क्षेत्र के कम्पोजिट बरगदही बसंतनाथ परिसर में शनिवार की रात बहुभोज कार्यक्रम के दौरान डीजे पर नर्तकियों के अश्लील डांस सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बीएसए श्रवण कुमार मद्धेशिया ने प्रधानाध्यापिका गीता विश्वकर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। हालांकि, प्रधानाध्यापिका का कहना है कि उन्होंने विद्यालय परिसर में कार्यक्रम के लिए मौखिक आश्वासन भी नहीं दिया था और न ही विद्यालय के किसी कक्ष का ताला खोला गया था। विद्यालय परिसर में ही पंचायत भवन व आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित है। विद्यालय बंद होने के बाद वह घर चली गईं। किसके आदेश से नृत्य का कार्यक्रम हुआ, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

पहली बार नगर पंचायत बने चौक बाजार के सीमा विस्तार में बरगदही बसंतनाथ गांव भी शामिल है। शनिवार को एक ही कैम्पस में स्थित स्कूल, पंचायत भवन व आंगनबाड़ी केन्द्र के सामने खाली भूमि पर शनिवार की रात एक व्यक्ति के घर बहूभोज कार्यक्रम में डीजे का इंतजाम किया गया। डीजे पर डांस करने के लिए नर्तकियां बुलाई गई थीं। रात जैसे–जैसे गहराती गई वैसे–वैसे रंगारंग कार्यक्रम भी अपने शबाब पर आने लगा। भोजपूरी गीत पर नर्तकियां जम कर ठुमका लगाईं। किसी ने अश्लील नृत्य का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड कर दिया। देखते ही देखते डांस का वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। शिक्षा के मंदिर में अश्लील नृत्य पर लोगों सवाल उठाना शुरू कर दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद रात में ही बीएसए श्रवण कुमार ने जांच का आदेश दिया। रविवार को प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया।

श्रवण कुमार गुप्ता, बीएसए ने कहा कि विद्यालय परिसर में किसी भी तरह का प्राइवेट कार्यक्रम के आयोजन पर स्पष्ट रूप से रोक है। अगर विद्यालय परिसर में बिना की सूचना कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है तो उसकी सूचना प्रधानाध्यापिका को विभाग को देनी चाहिए थी। जांच में प्रथम दृष्टिया प्रधानाध्यापिका दोषी पाई गई हैं। उनको तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गीता विश्वकर्मा, प्रधानाध्यापिका ने कहा कि विद्यालय परिसर में डीजे कार्यक्रम के आयोजन को लेकर उनके द्वारा कोई अनुमति नहीं दी गई है। इस मामले में विभागीय उच्चाधिकारियों को पूरी जानकारी दी जाएगी। जैसा निर्देश मिलेगा, अनुपालन होगा।

भाजपा की कार्यशाला में सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा

संवाददाता—श्रावस्ती। भाजपा की ओर से गांव चलो अभियान कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। जिसके तहत पार्टी प्रतिनिधियों की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कार्यकर्ताओं को बूथ मजबूत करने के लिए मार्ग दर्शन किया जा रहा है।

गांव चलो अभियान के तहत भाजपा की ओर से जमुनहा ब्लाक समागार में मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि ने जिला पंचायत अध्यक्ष दहन मिश्रा रहे। उन्होंने कार्यशाला में मौजूद कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी और उस जानकारी को लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत क्रम प्रधान देश है। इसलिए कार्यकर्ता को गांव में जाकर बूथ समितियों की बैठक करनी है। गांव सरल एप से सारी जानकारी भरें और लोगों को नमो एप डाउनलोड करवाएं।

लोगों को बताएं कि नमो एप से कैसे सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें। इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष भगत राम वर्मा, रणवीर सिंह, सुंदर लाल मौर्या, कमलेश मिश्रा, दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे। इसी तरह हरदत्त नगर गिरंट स्थित बाबा फौजदार कुट्टी में भाजपा की ओर से गांव चलो मंडल कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी और उन योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता अपने बूथ को मजबूत बनाते हुए लोगों को सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताएं। इस मौके पर मंडल प्रभारी दिनेश कुमार सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जगदमिका प्रसाद वर्मा, मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार यादव उर्फ मंटू, जिला पंचायत सदस्य विशम्भर श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की चार बाइक बरामद

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस ने अंतर्जनपदीय वाहन चोर का गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए वाहन चोर के कब्जे से चोरी की चार बाइक बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। सोनवा थाना क्षेत्र के लक्ष्मननगर में किराए के मकान में रह रहे हरदोई जिले के राभा गांव निवासी व्यक्ति ने शनिवार को सोनवा थाने में बाइक चोरी होने की तहरीर दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच पड़ताल कर रही थी। एसपी घनश्याम चौरसिया ने बाइक बरामद करने का निर्देश सोनवा पुलिस को दिया था। रविवार को सोनवा थाना प्रभारी निरीक्षक श्यामदेव चौधरी टीम के साथ क्षेत्र में इन कर्मचारियों को 18 हजार रुपए का भुगतान, सैनिक कल्याण निगम की भांति वेतन का भुगतान, समान कार्य का समान वेतन, मानक के अनुरूप सुरक्षा उपकरण, ईपीएफ घोटाले की जांच, घायल कर्मचारियों का उपचार। मृतक कर्मचारियों के परिजनों को 10 लख रुपए दुर्घटना हित लाभ, कर्मचारियों को 60 वर्ष की अवस्था तक कार्य करने की अनुमति, महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश तथा मार्च 2023 में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश की ओर से हड़ताल में गए संविदा कर्मियों को अप्रैल 23 में उपकेंद्र परिचालक सहायक के नाम पर संविदा कर्मचारियों को नवंबर 2023 में शक्ति भवन लखनऊ से 40 संविदा कर्मियों को कार्य से हटाने, पावर कार्पोरेशन प्रबंधन को स्थाई संविदा कर्मचारियों की ओर आकृष्ट करने आदि मांगों को लेकर 12 दें चरण में सोमवार को संविदा कर्मियों की ओर से लखनऊ में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें क्षेत्र के समस्त संविदा कर्मचारी मौजूद रहेंगे।

नवयुग इंटर कालेज मिहींपुरवा में एनसीसी ए सर्टिफिकेट की हुई परीक्षा

संवाददाता—बहराइच। नवयुग इण्टर कालेज मिहींपुरवा में 245 एनसीसी कैडेट्स की एनसीसी ए सार्टिफिकेट परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई। जिसमें से 19 कैडेट्स अनुपस्थित रहे । 51 यूपी एनसीसी बटालियन बलरामपुर की ओर से नवयुग इण्टर कालेज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। जिस पर राम जानकी इण्टर कालेज रुपईडीहा, एसपीवीपी इण्टर कालेज सेमरहना, नवयुग इण्टर कालेज मिहींपुरवा, सर्वोदय इण्टर कालेज मिहींपुरवा, डॉ. राम मनोहर लोहिया इण्टर कालेज बमनिया फाटा के कैडेट्स शामिल हुए। परीक्षा केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण 51 यूपी एनसीसी बटालियन बलरामपुर के सीओ कर्नल अरविन्द प्रताप सिंह पटवाल ने किया। परीक्षा केंद्र पर सुचितापूर्ण परीक्षा चलती हुई पाई गई। परीक्षा सूबेदार सुखविंदर सिंह, नायक हवलदार राकेश कुमार, हवलदार सुमेर, हवलदार अमर डाले की देख देख में हुई।

आज शक्ति भवन पर प्रदर्शन करेगा पावर कारपोरेशन संविदा कर्मचारी संघ

संवाददाता—बहराइच। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदाकारसंविदा कर्मचारी संघ की ओर से सोमवार को शक्ति भवन लखनऊ में विभिन्न मांगों को लेकर प्रस्तावित धरना प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष परशुराम ने बताया कि कई वर्षों से मांग की जा रही है कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्य कर रहे संविदा कर्मचारियों को मस्टर रोल की व्यवस्था के तहत समायोजित करने तक कार्य के अनुरूप अनुबंध किया जाए।

पोलियोग्रस्त भाइयों को देख भावुक हुए सीएम, बोले, इलाज में नहीं आने देंगे कमी

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में रविवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में अपनी दादी के साथ आए दो पोलियोग्रस्त मासूम भाइयों को देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। उन्होंने इन बच्चों की दादी से इलाज के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि इलाज में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। इसके लिए सरकार भरपूर सहायता करेगी। इसे लेकर सीएम ने मौके पर अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

शनिवार शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में जनता दर्शन में करीब 350 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान देवरिया जिले के खुखुंदू क्षेत्र के सेखा बभनौली से आई भागीरथी देवी के साथ आए दो मासूम बच्चों (दस वर्षीय आयुष और आठ वर्षीय पीयूष) को देख सीएम योगी उनसे पढ़ाई के बारे में पूछने लगे। तभी भागीरथी देवी ने बताया कि ये दोनों भाई पोलियोग्रस्त हैं। पांच साल के हुए तो बीमारी का पता चला। मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या ये एकदम ही नहीं चल पाते हैं। दादी ने बताया कि दस—बीस कदम तक। इस पर मुख्यमंत्री ने आयुष को चलने का प्रयास करके दिखाने को कहा। लंगड़ाते हुए वह दो चार कदम चला तो सीएम योगी भावुक हो उठे और भागीरथी देवी से दोनों बच्चों के इलाज के बारे में पूछा। उन्होंने पीजीआई लखनऊ में इलाज चलने की जानकारी दी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इन बच्चों के इलाज में कोई कमी नहीं आने देंगे। इसके लिए भरपूर सहायता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले को पूरी संवेदनशीलता से देखने और आयुष्मान कार्ड न होने की दशा में कार्ड बनवाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने दोनों मासूम भाइयों को दुलारा और खूब आशीर्वाद भी दिया।

इस दौरान भागीरथी देवी ने अगस्त 2023 में अपने बेटे आदित्य चौहान (पोलियोग्रस्त दोनों बच्चों के पिता) की मौत की जांच कराने और कुछ लोगों द्वारा जांच की मांग करने पर धमकी देने की शिकायत भी की। इस पर सीएम ने पुलिस अफसरों को त्वरित और निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे लोगों की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित निस्तारण कराएं। यह भी ध्यान दिया जाए किसी को भी परेशान न होना पड़े। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। जिन्हें इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की आवश्यकता है तो उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए। हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी रूप से उसकी संतुष्टि के अनुरूप किया जाना सुनिश्चित होना चाहिए। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार—दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़—रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर सीएम योगी ने गोवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा। सीएम योगी की आवाज सुनते ही गोवंश उनके पास आ गए। सीएम योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़—रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।

बस्ती जगदीशपुर से आए 22 वर्षीय शिव कुमार प्रजापति पुत्र स्वर्गीय कन्हैय्या प्रजापति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई कि उनके पुश्तैनी मकान की छत उनके गांव के ही मेहदी हुसैन नहीं बनाने दे रहे हैं। शिव कुमार ने बताया कि वे दो भाई है। दोनों भाई माँ—पिता के बचपन में ही निधन हो जाने के कारण काम काज के सिलसिले में अक्सर गांव से बाहर रहते हैं। जर्जर पुश्तैनी मकान को तोड़ साल में तीन साल से किसी तरह चार कमरे की दीवारें खड़ी की है। अब जब छत बनाने जा रहे मेहदी हुसैन जबरन निर्माण नहीं करने दे रहे हैं। फर्जी मुकदमें में फसाने की धमकियां देते हैं। जबकि हमारी पुश्तैनी आबादी की जमीन पर बाउंड्रीवाल भी है। सीएम ने पूरी बात सुन अफसरों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर कार्रवाई कर पीड़ित को न्याय दिलाएं।

सीडीए एकेडमी सीनियर सेकेंड्री स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद का भव्य समापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सीडीए एकेडमी मथौली बनकटी बस्ती में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 2 फरवरी से 4 फरवरी 2024 किया गया। समापन अवसर के खेलों का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि एसडीएम बस्ती सदर गुलाबचंद व मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक अरविंद पाल एवं प्रबंध निदेशक डॉ० अरुणा सिंह पाल ने विवेकानंद मिश्र एवं एसडीएम बस्ती सदर गुलाबचंद को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विद्यालय में विभिन्न खेलों का आयोजन जिसमें मुख्य रूप से डबल एक्सरसाइज, लयबद्ध योगा,100 मीटर,200 मीटर, 400 मीटर ,800 मीटर, 1600 मीटर ,3000 मीटर रेस बालक एवं बालिका वर्ग, जूनियर एवं सीनियर वर्ग, रिले रेस, हर्डल रेस, म्यूजिकल चेयर , व नन्हे—मुन्ने बच्चों के बीच सेक रेस , फ्राग जंप ,लेमन रेस, कबड्डी जूनियर और सीनियर बालक एवं बालिका वर्ग, वालीबाल सीनियर बालक और बालिका वर्ग, शाटपुट जूनियर और सीनियर बालक एवं बालिका वर्ग, ऊंची कूद और लम्बी कूद, बास्केटबॉल सीनियर बालिका वर्ग, 800 मीटर, 1600 मीटर फाइनल रेस बालक एवं बालिका वर्ग, लेजियम आदि का आयोजन किया गया। प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों में शिवांश, साक्षी, साहिल, आकांक्षा, अनुष्का, मुस्कान, काजल शर्मा, चंद्रकला, अमन यादव , तौकीर खान, सिद्धि, तृष्णा, आंशी पाल ,प्रीतम, सुशांत ,यजत,अभय चौधरी आदि रहे। विवेकानंद मिश्र ने अपने उद्बोधन में सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया एवं उनके खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं उनके उज्ज्वल भविष्य की किया एवं बस्ती सदर एसडीएम गुलाबचंद ने बच्चों का मनोबल बढ़ाकर उन्हें जीवन में ऊंचा स्थान हासिल करने की प्रेरणा के साथ साथ विभिन्न खेलों में जीत हासिल करने वाले विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र दिया। खेलों में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों में आंशी पाल, आकांक्षा पाल ,निधि सिंह, स्वर्णिमा, अंशिका, श्रेयसी, सिद्धि आस्था, सृष्टि, खुशी एवं रेड हाउस ने शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल किया। साहिल यादव ने एथलीट ऑफ द ईयर और हाउस ऑफ द ईयर का पुरस्कार ग्रीनहाउस ने अपने नाम किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण रोली शुक्ला, रविप्रकाश पांडेय, धर्मेंद्र यादव नीतू सिंह, श्रुति त्रिपाठी ,सविता यादव, आयुषी सिंह, प्रगति श्रीवास्तव, दीपक जयसवाल, सतीश पाल आदि सहित अभिभावकगण उपस्थित रहे।

अलग—अलग मार्ग दुर्घटना में एक की मौत, चार घायल

संवाददाता—संतकबीरनगर। महुली और धनघटा थाना क्षेत्र में अलग—अलग स्थानों पर हुई दो दुर्घटनाओं में एक महिला की मौत हो गई, वहीं चार लोग घायल हो गए। मृतक महिला देवरिया जनपद के भटनी थाना क्षेत्र के बेलवा गांव की रहने वाली है। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। वहीं घायलों को जिला अस्पताल भेजा। पहली दुर्घटना महुली थाना क्षेत्र के धनघटा—खलीलाबाद मार्ग पर जशोवर मोड़ के निकट हुई। पैदल बाजार जा रही दो महिलाओं को अनियंत्रित बाइक चालक ने जोरदार ठोकर मार दिया। मौके पर एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि बाइक चालक और दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी नाथनगर भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो बाइक की स्पीड बहुत अधिक थी। क्षेत्र के जशोवर निवासी राम पाल के वहां 28 जनवरी को मुण्डन संस्कार कार्यक्रम था। इसी में शामिल होने के लिए देवरिया जिले के भटनी थाना क्षेत्र के बेलवा निवासी शीला शाही पत्नी प्रेम शाही (55) पहुंची थी। रविवार को शीला शाही जशोवर गांव से रिश्तेदार मंजू देवी पत्नी रवि शंकर निवासी ग्राम सोनौरा थाना मेंहदावल के साथ पैदल ही नाथनगर बाजार कुछ खरीददारी करने जा रही थी। जैसे ही धनघटा— खलीलाबाद मार्ग पर जशोवर गांव मोड़ से आगे बढ़ी। इसी दौरान विश्वनाथपुर की तरफ से आ रहे बाइक सवार ने पीछे से दोनों महिलाओं को जोरदार ठोकर मार दिया। जिसके चलते उछल कर सड़क पर गिर गईं। मौके पर ही शीला शाही की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दूसरी महिला मंजू देवी और बाइक चालक राम भजन घायल हो गए। उपचार के लिए सीएचसी नाथनगर ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लिया है। मृतका के परिजनों के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है।

दूसरी घटना धनघटा थाना क्षेत्र के प्रजापतिपुर तिराहे के निकट रविवार को हुई। दो बाइक की भिड़ंत में दो चालक घायल हो गए। सूचना पर 108 एम्बुलेंस पहुंच गई। उपचार के लिए सीएचसी नाथनगर ले आया गया। हालत गंभीर होने पर दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार हालत गंभीर बनी हुई है। धनघटा क्षेत्र के रामपुर उत्तरी निवासी यशोदानन्द ओझा पुत्र राम भभूत रविवार को बाइक से प्रजापतिपुर चौराहे पर पहुंचे थे। इसी दौरान दूसरी बाइक सवार वरुण पुत्र प्रसिद्ध नाथ निवासी सूरस देवरिया की सीधी भिड़ंत हो गई। दोनों चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर एम्बुलेंस से लादकर उन्हें सीएचसी नाथनगर ले जाया गया। हालत में सुधार होता नहीं देख चिकित्सकों ने यशोदानन्द और वरुण कुमार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। हालत नाजुक बनी हुई है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले जज पर कुत्तो का हमला

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर के सेशंस हाउस परिसर सिविल लाइन में शनिवार की सुबह टहलने जाते समय निराश्रित कुत्तों ने अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) जय प्रकाश पर हमला कर दिया। उन्होंने किसी तरह खुद को बचा लिया। शोरगुल सुन कर आसपास से आए लोगों ने कुत्तों को भगाया। इस घटना के बाद गोरखपुर नगर निगम ने निराश्रित कुत्तों के रेस्क्यू अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। नगर आयुक्त ने कहा है कि जल्द ही टीम निकलेगी।

हमले की सूचना के बाद मौके पर अन्य न्यायाधीश और उनके परिवार के लोग भी पहुंच गए। परिसर के अन्य न्यायाधीशों और उनके परिवार के लोगों ने बताया कि हाल के दिनों में परिसर में निराश्रित कुत्तों की संख्या में काफी इजाफा हो गया है। सुबह सैर पर निकले कई लोगों को कुत्ते दौड़ा चुके हैं। लोगों की बातें सुनने के बाद एडीजे जय प्रकाश ने नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल को पत्र लिखकर खुद पर हुए हमले की जानकारी दी है। परिसर में बढ़े निराश्रित कुत्तों से बने भय के वातावरण से अवगत कराया है। उधर नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी है। जल्द ही टीम भेज कर निराश्रित कुत्तों को रेस्क्यू कर किसी सुरक्षित स्थान पर भेजा जाएगा।

नाबालिग लड़की का अपहरण कर मंदिर में की शादी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने चौरीचौरा पुलिस को तहरीर देकर अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण का आरोप लगाया है। पुलिस ने चौरीचौरा थानाक्षेत्र के देवीपुर निवासी अजित कुमार पुत्र परशुराम के खिलाफ धारा 363 व 366 के तहत केस दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि युवक शनिवार को उनकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया और मन्दिर में शादी करने का प्रयास किया। महिला का कहना है कि युवक उनके गांव में ही ननिहाल में रहता है। इसी दौरान उनकी पुत्री को को भगा ले गया। सरदारनगर पावर हाउस के बगल में हनुमान मंदिर पर शादी करने के प्रयास की सूचना मिली। वह अपने परिवार के साथ मौके पर पहुंची। दोनों मन्दिर पर मिल गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को थाने लेकर चली गई। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच कर रही है।

आर्थिक तंगी से परेशान युवक ने पंखे में फंदा लगाकर की खुदकुशी

संवाददाता—गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मोहरीपुर में एक युवक ने खुदकुशी कर ली। पंखे में मफलर का फंदा बनाकर वह झूल गया था। परिवारीजनों की सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि वह आर्थिक तंगी से परेशान था। मोहरीपुर चौहान टोला निवासी शैलेश चौहान (24) पुत्र अमर सिंह चौहान शनिवार की रात शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा। खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। रविवार की सुबह परिवारीजनों ने पंखे से लटकता शव देख चिलुआताल पुलिस को घटना की सूचना दी। शैलेश चार भाइयों में सबसे छोटा था। दो बड़े भाइयों की पहले ही मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि युवक आर्थिक तंगी से परेशान था। 22 अप्रैल को उसकी शादी होने वाली थी।

दिसंबर तक तैयार हो जाएगा राजा राम का भव्य दरबार, सप्त मंडपम में होंगे सात छोटे—छोटे मंदिर

संवाददाता—अयोध्या। राममंदिर के उद्घाटन के बाद पहली बार मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। इसमें निर्माण कार्यों को गति देने पर चर्चा हुई। दस फरवरी से मंदिर का शेष निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी है। वहीं, रामनवमी से पहले यात्री सुविधाएं विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम तल पर भव्य राम दरबार की स्थापना की समयसीमा दिसंबर 2024 तय हुई है। भक्तों की सुविधा को देखते हुए निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों व कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों के साथ निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने चर्चा की। उन्होंने बताया कि जल्द ही मंदिर निर्माण का शेष कार्य शुरू होने जा रहा है। मुख्य रूप से राममंदिर के परकोटे का काम पूरा किया जाएगा। 795 मीटर परकोटे के निर्माण का 50 फीसदी काम पूरा भी हो चुका है। मंदिर के निचले चबूतरे पर आइकोनोग्राफी के माध्यम से पत्थरों पर मूर्तियां उकेरने का भी काम होना है। प्रथम तल पर रामदरबार की स्थापना का काम शुरू होगा। जन्मभूमि परिसर में सप्त मंडपम की भी परिकल्पना जल्द साकार होगी। परिसर में एक बड़े आकार का मंडप बनाया जाएगा। इसमें श्रीराम के समकालीन सात पात्रों के छोटे—छोटे मंदिर होंगे। डॉ. अनिल ने बताया कि सप्त मंडपम में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषाद राज, माता शबरी व माता अहिल्या के मंदिर होंगे। बैठक में इन पर शीघ्र काम शुरू करने पर चर्चा हुई। मंदिर परिसर में सभी काम अब एक साथ शुरू होंगे। राममंदिर के ट्रस्टी अनिल मिश्र ने बताया कि परिसर की सभी सड़कों का निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा उपकरण लगाने के काम, तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र का शेष काम रामनवमी से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। परिसर की सफाई के लिए एक कंपनी को ठेका दिया गया है, जिसके 50 कर्मचारी रोजाना सफाई करते हैं। निर्माण कार्यों के बीच निर्बाध दर्शन की कार्ययोजना भी तय की गई। स्नान—पर्व व मेलों की विशेष तिथियों पर पांच लाख या इससे अधिक श्रद्धालु भी अयोध्या आएं तो इन्हें नव्य मंदिर में रामलला के सुगम दर्शन कराए जा सकेंगे। जिला प्रशासन ने इसके लिए रोडमैप तैयार कर लिया है।

हफ्तेभर में आवास का निर्माण शुरू नहीं हुआ तो होगी कार्रवाई

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत पहली और दूसरी किस्त का धन लेने वाले पात्रों ने अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं करवाया है। इसकी पुष्टि होने पर जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) विभाग सख्त हो गया है। एक सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य शुरू नहीं करवाने पर ऐसे लोगों के खिलाफ करवाई करने की चेतावनी दी है।

हर गरीब को पक्का घर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत पत्रों का चयन कर उन्हें तीन किस्त में ढाई लाख रुपये घर बनाने के लिए दे रही है। लेकिन डुमरियागंज और भारतभारी नगर पंचायत में करीब पांच दर्जन ऐसे पात्र हैं जो पहली और दूसरी किस्त का धन पाने के बावजूद अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं करवा पाए हैं। ऐसे पत्रों का विभाग जांच करवाकर उनका नाम नगर पंचायत कार्यालय में चस्पा करवा दिया है। चिन्हित लाभार्थी अगर एक सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य शुरू नहीं करवाएंगे तो उनके खिलाफ विभाग सख्त कार्रवाई करवाएगी। डुमरियागंज नगर पंचायत में 51 और भारतभारी नगर पंचायत में 19 ऐसे लाभार्थी है जो निर्माण कार्य शुरू नहीं करवाए हैं। परियोजना अधिकारी डूडा सुनीता सिंह ने बताया कि डुमरियागंज में 51 और भारतभारी में 19 लाभार्थी प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रथम व दूसरी किस्त पाने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं करवा रहे हैं। अगर यह एक सप्ताह के भीतर निर्माण नहीं करवाएंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई करवाई जाएगी।

जल्द शुरू होगा रेल कोच रेस्टोरेंट का रुका कार्य

संवाददाता—गोरखपुर। रेलवे स्टेशन के गेट नंबर पांच के पास लग रहे रेल कोच रेस्टोरेंट के निर्माण की एक बाधा दूर हो गई है। रेल प्रशासन स्टेशन के नए भवन निर्माण तक कोच रेस्टोरेंट का प्रवेश गेट मेन रोड की तरफ खोलने पर सहमत हो गया है। रेलवे ने गोमतीनगर, वाराणसी, बरेली और गोरखपुर में रेल कोच रेस्टोरेंट खोलने का निर्णय लिया था। इसमें से केवल गोरखपुर में ही यह रेस्टोरेंट भी चालू नहीं हो पाया है। दरअसल गोरखपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण होना है। कोच रेस्टोरेंट बनाने वाली कंपनी के प्रोपराइटर रियाज खान का कहना है कि जिस जगह पर कोच रखा है, वहां एक पार्क भी विकसित करना है। जबकि, स्टेशन निर्माण के दौरान पार्क को बचाए रखना मुश्किल होगा।

इसके अलावा जिस जगह इस रेस्टोरेंट को खोलना है, वहां आसपास काफी गंदगी है। निर्माण कार्य के दौरान धूल उड़ने से भी रेस्टोरेंट का कार्य प्रभावित होगा। इन सब दिक्कतों के चलते ही कोच रेस्टोरेंट का कार्य ठप हो गया था। इस मामले को लेकर पहले सीनियर डीसीएम के स्तर पर प्रयास किया गया। इसके बाद टेंडर पाने वाली कंपनी और डीआरएम के बीच हुई वार्ता में यह तय हुआ कि जब तक स्टेशन भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, कोच रेस्टोरेंट का प्रवेश द्वार मेन रोड की तरफ खोला जाए और आसपास की गंदगी साफ कराई जाए, जिससे कि रेस्टोरेंट के शुरू होने पर आने वाले ग्राहकों को दिक्कत न हो। रेल कोच रेस्टोरेंट संचालक रियाज खान ने कहा कि हमारी कुछ आपत्तियां दूर हो गई हैं। डीआरएम ने जल्द ही आपत्तियों को दूर कराने का आश्वासन दिया है। अब फिर से काम शुरू कराया जाएगा। मार्च तक इसे पूरा कर रेस्टोरेंट शुरू कर दिया जाएगा। क्योंकि देर होने से आर्थिक नुकसान हो रहा है।

डेढ़ किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। सदर पुलिस ने रविवार को मादक पदार्थों की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी के संबंध में चलाए जा रहे अभियान के तहत कठौआ पुल के पास से 1.350 किग्रा गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसकी पहचान महराजगंज जिले के फरेन्दा कस्बा के वार्ड नंबर 14 निवासी अख्तर हुसैन उर्फ सोनू पुत्र रमजान अली के रूप में हुई। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस टीम में एसआई वीरेन्द्र सिंह यादव, हेड कांस्टेबल रामबहादुर यादव, कांस्टेबल पवन कुमार सिंह शामिल रहे।

पेप्सिको प्लांट का 90 फीसदी काम पूरा अब गोरक्षनगरी में भी बनेगी कोल्ड ड्रिंक

संवाददाता—गोरखपुर। गीडा सेक्टर 27 में बन रहे पेप्सिको प्लांट का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है। मशीनों के स्टालेशन का कार्य आरंभ हो चुका है। मार्च के अंतिम सप्ताह तक यहां से उत्पादन भी शुरू होने की उम्मीद है। इस प्लांट से कोल्ड ड्रिंक के अलावा दूध, दही, छाछ, लस्सी, चॉकलेट आदि प्रोडक्ट भी बनेंगे। इससे करीब तीन हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा लगभग 10 हजार दूध विक्रेताओं को भी फायदा होगा। गीडा क्षेत्र में पिछले पांच साल में उद्योग लगने में तेजी आई है। पिछले साल ही 1100 करोड़ की लागत से सेक्टर 27 में वरुण बेवरेज कंपनी की तरफ से पेप्सिको प्लांट का निर्माण शुरू कराया गया था। वरुण बेवरेज के निदेशक कमलेश जैन ने बताया कि फैक्टरी में मशीनरी स्टालेशन का कार्य आरंभ करा दिया गया है। इस

कार्य में करीब दो माह का वक्त लगेगा। हम तैयारी कर रहे हैं कि होली तक यहां से उत्पादन शुरू हो जाए। इस कंपनी के चालू होने से एक हजार कर्मचारियों को प्रत्यक्ष और दो हजार अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके अलावा सबसे अधिक फायदा दूध विक्रेताओं को होगा। कंपनी को करीब एक लाख लीटर दूध की जरूरत होगी, जिसे पूरा करने के लिए गोरखपुर समेत आसपास के अन्य जिलों से आपूर्ति ली जाएगी। गीडा सेक्टर 28 (प्लास्टिक पार्क) में टेक्नो प्लास्ट कंपनी का निर्माण तेजी से चल रहा है। करीब 100 करोड़ लागत वाली इस कंपनी से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर लगभग 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। गीडा के एसडीएम अनुपम मिश्रा ने बताया कि इस ग्रुप की देश में 14 अन्य कंपनियां भी हैं। यह कंपनी हार्ड प्लास्टिक बनाती है, जिससे जार व अन्य उपकरण बनाए जाते हैं। उपायुक्त उद्योग गौरव मिश्रा ने कहा कि गोरखपुर पूर्वांचल का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र बनकर उभर रहा है। गीडा व आसपास के इलाके में करीब 11 हजार करोड़ का निवेश हुआ है। कुछ फैक्टरियां बनकर तैयार हैं तो कुछ से उत्पादन शुरू हो चुका है। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। धुरियापार औद्योगिक क्षेत्र में अदाणी समूह की सीमेंट फैक्टरी लगने का रास्ता करीब—करीब साफ हो चुका है। इसके अलावा श्री सीमेंट्स के साथ भी वार्ता चल रही है। कंपनी के प्रतिनिधि को 50 एकड़ जमीन भी दिखाई जा चुकी है। इसके अलावा कालेसर जीरो प्वाइंट पर लुलु माल और दीप एसोसिएट्स के साथ सहमति बन चुकी है। 10 फरवरी को इन कंपनियों के साथ गीडा प्रशासन एमओयू पर हस्ताक्षर करेगा। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होगा। सीईओ अनुज मलिक ने बताया कि 10 फरवरी को कालेसर जीरो प्वाइंट के पास एक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें कई कंपनियों के साथ एमओयू के अलावा गीडा की आवासीय योजना भी लांच की जाएगी।

महिलाओं समेत चार के खिलाफ एससी—एसटी का मुकदमा

संवाददाता—गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के हरैया में रिकवच के पत्ते पर कुत्ते ने बाथरूम कर दिया। उस पर पड़ोसियों ने महिला को जाति सूचक गाली देते हुए उसकी पिटाई कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चार पर एससी—एसटी, मारपीट, धमकी देने का केस दर्ज किया है। क्षेत्र के हरैया निवासी रामसेवक की पत्नी सविता ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम घर के पास पालतू कुत्ते को टहला रही थी। बगल में मौजूद रिकवच के पौधे पर कुत्ते ने पेशाब कर दिया। जिस पर पड़ोसी ने विरोध किया तो मैंने कहा उस पौधे को उखाड़ दे रही हूं। इसी बात पर पूरे परिवार ने जुटकर जातिसूचक गाली देते हुए झाड़ू व पटरा से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने सोनबरसी देवी, कैलासी देवी, ममता देवी व राजवीर निषाद पर एससी एसटी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

टैंकर से भिड़ी सीओ कुशीनगर की गाड़ी, ड्राइवर और गनर घायल

संवाददाता—बस्ती। विवार की शाम की को बड़ा हादसा हो गया। अपनी सरकारी गाड़ी से स्टाफ के साथ जा रहे सीओ कुशीनगर की गाड़ी को पीछे से किसी वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही आगे चल रहे टैंकर से सीओ की गाड़ी भिड़ गई। जिसमें सीओ का ड्राइवर और गनर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा खजौला मुंडेरवा के पास फोरलेन पर हुआ। जानकारी के सीओ कुशीनगर अपनी सरकारी गाड़ी बोलेरो से ड्राइवर और गनर के साथ जा रहे थे। फोरलेन पर अचानक से पीछे से किसी वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आगे चल रहे टैंकर से सीओ की गाड़ी भिड़ गई। हादसे के बाद गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में सीओ का ड्राइवर और गनर बुरी तरह से घायल हो गए। आनन—फानन में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, हालांकि सीओ बाल—बाल बच गए।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com